8 | दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 1 दिसंबर 2013

www.jagran.com

मोतीपुर में गन्ना उत्पादन की बड़ी संभावना : निदेशक

मोतीपुर (मुजफ्फरपुर), निप्र : बिहार की मिट्टी काफी उपजाऊ है। मोतीपुर में गन्ना की खेती की बड़ी संभावना है। उक्त बातें भारतीय गन्ना अनुसंधान केन्द्र लखनऊ के निदेशक डा.सुशील सोलेमन ने मोतीपुर गन्ना अनुसंधान केन्द्र की रजत जयंती के अवसर पर किसान संगोष्ठी के दूसरे दिन समापन समारोह को संबोधित करते हुए कही। निदेशक ने कहा कि मोतीपुर गन्ना प्रजनन संस्थान में किसानों की सुविधा के लिए उन्नत किस्म के नए प्रभेदों का बीज, मृदा परीक्षण लैब, जैविक किट नियंत्रण प्रयोगशाला, गन्ना रोपने और बुआई की नई अत्याधुनिक मशीन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

किसानों को शरदकालीन एवं वसंतकालीन समय के अनुसार गन्ना की खेती की जानकारी डा.टीके श्रीवास्तव ने किसानों को दी। डा. एसके सिंह ने नई मशीन सुगर केन कटर फ्लांटर, आरबीएस केन फ्लांटर मशीन तथा गन्ना बीज कटाई, बुआई, मिट्टी से ढ़कने, टुकड़ा डालने का कार्य कराकर प्रशिक्षित किया। गोष्ठी में नोडल अधिकारी डा.एडी पाठक, डा.दीक्षा, डा.मनन सिंह, किसान, विनोद राय रामसंजीवन सिंह मौजूद थे।

निदेशक ने दिये गन्ना उत्पादकों को टिप्स

मोतीपुर। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान मोतीपुर इकाई के रजत जयंती के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय कृषक संगोष्ठी समारोह शनिवार को सम्पन्न हो गई। इसमें भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ के निदेशक सुशील सोलेमन ने उत्तम किस्म के गन्ना उत्पादन पर प्रकाश डालते हुए कास्तकारों को गन्ने की खेते के टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि गन्ने की आधुनिक खेती के लिए जैविक कीट, मौसम आधारित खेती पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में इस संस्थान में तत्कालीन वैज्ञानिक डॉ. देवेंद्र कुमार ने उत्तम किस्म के छह नये गन्ना बीज के प्रभेदों का अविष्कार किया है। जिसे मोतीपुर एवं हरिनगर क्षेत्रों के किसानों को कम दर पर मुहैया कराने का प्रावधान है। मौके पर डॉ. मनन सिंह, डॉ.एसके सिंह, नोडल पदाधिकारी अश्विनी दत्त पाठक भी थे। **(एसं)**

गेहूं बीज की किल्लत

मुरौल। गेहूं बीज की किल्लत से प्रखंड के किसानों को रबी की बुआई में काफी परेशानी हो रही है। बीएओ ने बताया कि पिलखी के वैष्णो ट्रेडर्स को 208 क्विंटल अनुदानित गेहूं बीज मिले थे जो किसानों को मिले। जिला से आवंटन मिलने पर फिर मिलेगा। **(मुका)**

मुजफ्फरपुर, रविवार, 1 दिसंबर, 2013
www.prabhatkhabar.com
प्रभात खबर मुजफ्फरपुर-आसपास

बोआई से पूर्व करायें मिट्टी जांच

मोतीपुर. गन्ना अनुसंधान केंद्र, मोतीपुर के रजत जयंती दिवस पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय समारोह सह कृषक प्रशिक्षण संगोष्ठी के दूसरे दिन कृषि वैज्ञानिकों ने कृषकों को गन्ने की खेती करने के आधुनिक तरीकों की जानकारी दी. संस्थान के निदेशक डॉ सुशील सुलेमान ने कहा कि किसानों को खेतों में गन्ने की बोआई से पूर्व मिट्टी जांच करा लेनी चाहिए. इससे मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी की जानकारी मिलती है, जिसे बोआई के समय पूरा किया जा सकता है.

मोतीपुर गन्ना अनुसंधान केंद्र पर किसानों की सुविधा के लिए मिट्टी जांच, मृदा परीक्षण, गन्ना बोआई, गन्ना कटाई की अत्याधुनिक मशीनें व जैविक किट नियंत्रण लैब शुरूआत करने की योजना है. कृषि वैज्ञानिक डॉ मनन सिंह ने आधुनिक मशीनों को प्रदर्शित कर किसानों को उसके बारे में प्रशिक्षित किया. मौके पर डॉ एस के सिंह, डॉ एडी पाठक सहित अन्य कृषि वैज्ञानिक मौजूद थे.